मजबूरी | शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर लग रहा प्रश्न चिन्ह

मासूम पेट की खातिर चल रहे है रस्सियों पर

नरसिंहपुर/गाडरवारा। जहां एक ओर शासन द्वारा बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए जिस प्रकार से योजनाएं चलाई जा रही है यदि उन योजनाओं को सही रूप से अधिकारियों द्वारा अमली जामा पहनाये जाने लगे तो निश्चित तौर से मासूम बच्चों का भविष्य बदल सकता है मगर जिस स्थिति में इस समय मासूम बच्चों को देखा जा रहा है उसे सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लगता हुआ जान पड़ रहा है। वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं का संचालन करने वाले अधिकारियों की कार्य करने की भूमिका सामने आने से नही चूक पा रही है क्योंकि जिन बच्चों को इस उम्र में स्कूलों में जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहिए थी। वह मासूम बच्चें अपने पेट की खातिर रस्सी पर चलते हुए अपने जान को खतरे में डालते हुए देखे जा रहे है इस बात की सच्चाई इस समय नगर में जहां तहां आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर यह मासूम सर्कस नुमा नौटंकी का खेल दिखाते अपना पेट पालने के लिये मजबूर देखे जा रहे है।

योजनाओं का सही तरीके से संचालन होता तो मासूमों को अपनी जिन्दगी दांव पर ना लगाना पड़ता

बताया जाता है कि बाहर से आये हुए कुछ लोगों द्वारा जहां लोगों का मनोरंजन करने तथा अपना व अपने बच्चों का भरण पोषण करने के लिए मासूम बच्चों को रस्सी पर चलाकर अनेक प्रकार के कर्त्तव्य दिखाये जा रहे है जिन्हें लोग देखते हुए जहां ताली बजाकर सबासी प्रदान कर रहे है। वही दूसरी ओर इस प्रकार से ताली बजाने वालों की भीड़ में मासूमों का जीवन संभारने का जिम्मा निभाने वाले वह अधिकारी भी नजर आते है। इस सबको देखकर यह सबाल पैदा होने से नही चूक पाता है कि यदि शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का सही तरीके से संचालन हो रहा होता तो शायद इन मासूम बच्चों को इस तरह अपनी जिन्दगी दांव पर लगाते हुये पेट पालने के लिये मजबूर न होना पड़ता।

पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष वेयरहाउसों में मूंग की गुणवत्ता अच्छी

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश में किसानों से समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन का कार्य कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा लिखित आदेश के तहत 7 जुलाई 2025 से दस्तावेजो में प्रारंभ किया जा चुका है जिसमें किसानों से 12 कुंटल प्रति हेक्टेयर के हिसाब से सरकार द्वारा उपज खरीदी करना निर्धारित की गई है। जिसमें किसानों की मूंग फसल का समर्थन मूल्य इस उपार्जन वर्ष 8682 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य निर्धारित किया है वही उड़द फसल का समर्थन मूल्य 7400 रुपए प्रति क्विंटल निश्चित है।

इस वर्ष केंद्र सरकार द्वारा कृषि विभाग की एजेंसी भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (NAFED) एवं सहकारिता विभाग की एजेंसी भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (NCCF) के माध्यम से मध्य प्रदेश में सहायक नोडल एजेंसी मध्य प्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (MARKFED) को खरीदी की लगाम सोप गई है। जिसकी संपूर्ण देखरेख और जिम्मेदारी मुख्य एजेंसी के रूप में कृषि विभाग के हाथों में सौंप गई है। सर्वेयरों की होती है जो किसानों के दौरान लाई गई अपनी फसल की शारीरिक रूप से गुणवत्ता परीक्षण कर मानक या अमानक होने का प्रमाणीकरण देते हैं। यह कृषि विभाग के तकनीकी शिक्षा से अध्यनरत होते हैं और प्रशिक्षण प्राप्त कर अनुभवी होते हैं। इस वर्ष 2025-26 में गुणवत्ता परीक्षण करने का कार्य नेशनल कमोडिटीज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (NCML) कम्पनी को सौंपा गया है। जिसके प्रतिनिधियों द्वारा नरसिंहपुर जिले में किसानों से बिना भेदभाव के शासन के नियम मापदंड अनुसार अच्छी गुणवत्ता युक्त खरीदी या भंडारण कराया जा रहा है। सेवा सहकारी समितियों या प्राथमिक सहकारी समितियों जिनके द्वारा अपने केंद्र पर तैनात सर्वेयर द्वारा मानक की गई फसल की तुलाई, सिलाई, छापा और किसान कोड लिखकर भंडारण केंद्र वेयरहाउस में जमा करने का कार्य किया जाता है। भंडारण के लिए मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन (MPWLC) या निजी संयुक्त उद्यम योजना (JVS) गोदामों में समितियां द्वारा भंडारण के समय वजन, गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाता है। वही किसानों के लिए बैठक व्यवस्था, पानी व्यवस्था जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी होती है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (NAFED) संस्था में रजिस्टर्ड निजी कंपनियों को प्रतिवर्ष अलग-अलग जिलों में कार्य दिया जाता पिछले वर्ष 2024 में तैनात कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा जिले में लगातार अमानत स्कंद की मूंग खरीद कर किसानों से व्यापक स्तर में भ्रष्टाचार किए जाने की शिकायत दर्ज हुई थी जिससे पूरे प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (NAFED) सहित नोडल एजेंसियों कृषि विभाग और विपणन संघ की छवि धूमल हुई थी।

इनका कहना है

जिले में निरंतर किसानों से अच्छी खरीदी चल रही है अब तक जिले में 3368 मेट्रिक टन मूंग खरीदी जा चुकी है समय-समय पर जिला उपार्जन समिति के दल द्वारा खरीदी एवं भंडारण केन्द्रों का निरीक्षण किया जाता हैं NCML कम्पनी के सर्वेयरों की भ्रष्टाचार या अन्य शिकायत प्राप्त नहीं हुई है अगर शिकायत दर्ज हुई तो नियमित कार्यवाही कर हटा दिया जाएगा अभी नियम अनुसार खरीदी चल रही है किसानों को आने वाली समस्या तत्काल हमारे नोडल अधिकारियों द्वारा निराकरण कराई जाती है।

-मनीष चौरसिया, जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित नरसिंहपुर

मेरे द्वारा लगातार जिले के प्रत्येक खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया गया है पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष गुणवत्ता में काफी सुधार है और NCML कम्पनी के सर्वेयरो के द्वारा खरीदी में काफी मेहनत की जा रही है केंद्रो पर हमारे द्वारा किसानों से भी फीडबैक लिया जाता है किसानों से किसी भी प्रकार की अनियमित या भ्रष्टाचार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है कार्य नियम अनुसार चल रहा है।

-रविंद्र शर्मा, कलिस्टर हेड भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (NAFED) भोपाल

पिछले वर्ष जो कंपनी आई थी उसके सर्वेयरों द्वारा किसानों के साथ अनियावता करने की काफी शिकायतें आई थी जिस पर मेरे द्वारा शिकायत दर्ज कराई थी इस वर्ष सर्वरों की भ्रष्टाचार या अनियमित की किसानों द्वारा शिकायत दर्ज नहीं हुई है शासन के नियम अनुसार कार्य किया जा रहा है।

-पवन पटेल, किसान नेता गाडरवारा

सांगई में मनाई आजाद एवं तिलक जयंती

गाडरवारा। गत दिवस समीपी ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला मे क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद एवं लोकमान्य तिलक की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम मे सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं ने तिलक एवं आजाद के चित्र पर तिलक लगाकर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षक मधुसूदन पटैल ने छात्र छात्राओं को तिलक एवं आजाद की जीवनी के बारे मे बताते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद महान क्रांतिकारी थे जिन्होंने दुश्मन की गोलियों का सामना हम करेंगे, आजाद ही रहेंगे, आजाद ही मरेंगे का नारा दिया था।

परमहंसी गंगा आश्रम में हुये धार्मिक आयोजन

गोटेगांव। समीप धार्मिक स्थल परमहँसी गंगा आश्रम झोतेश्वर अनंत श्री विभूषित उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का 56वां प्राकट्योत्सव शंकराचार्य नेत्रालय एवं शंकराचार्य बाल विद्या निकेतन विद्यालय व गुरु शिष्य मंडल, गुरु भक्तजनों द्वारा जगह-जगह विविध धार्मिक आयोजन कर धूमधाम हर्षउल्लास के साथ मनाया गया।

सर्वप्रथम शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वतीजी की पादुका पूजन-अर्चन दंडी स्वामी राघवनानाद तीर्थ सरस्वती ब्रम्हचारी अचलानंदजी आचार्य दीपक शुक्ला द्वारा की साथ ही जगतगुरूकुलं के विद्यार्थियों के द्वारा स्वतिवाचन किया तत्पश्चात भगवती राजराजेश्वरी माता और श्रीराम दरवार एवं सर्व सिद्धि हनुमाननलालजी की पूजम अर्चन कर 108 हनुमान चालीसा के पश्चात अत्यंत मनमोहक सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का गायन किया गया इसके पश्चात उपस्थित गणों द्वारा केसरी नंदन की महाआरती की गई। सभी भक्तजनों को महाप्रसाद दिया गया। ढोल नगा?ें ओर आतिशबाजी के साथ भक्तजनों द्वारा भजन कीर्तन संध्या का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर शंकराचार्य नेत्रालय परिवार एवं श्री शंकराचार्य बाल विद्या निकेतन परिवार तथा जगद्गुरु शंकराचार्य महाविद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा महाराज श्री का प्रकटउत्सव भक्ति भाव धूमधाम हर्षोल्लास भक्तिमय माहौल वातावरण में ढोल नगाड़े डीजे बाजे आतिशबाजी के साथ मनाया गया ! इस अवसर पर श्रद्धालु बंधु अन्य भक्त एवं ग्रामीण जीवन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

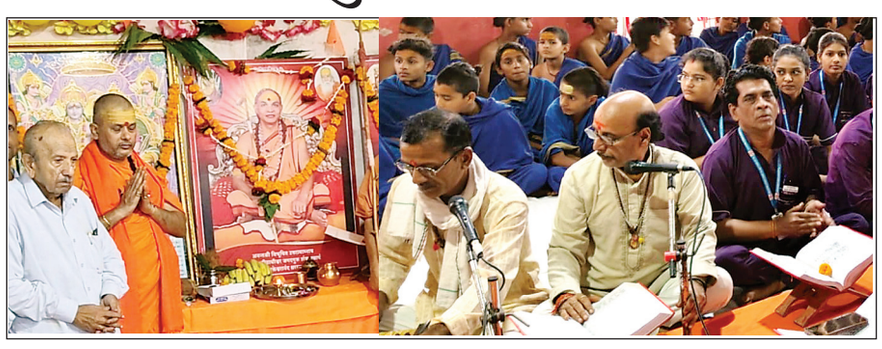

कांवड़ यात्रा में 5 साल के बच्चे की आस्था

गाडरवारा। गाडरवारा की राह में एक अनोखा दृश्य देखने को मिला। मात्र 5 वर्ष का एक बालक कांवड़ लेकर शिव धाम डमरूघाटी की ओर जाते हुए दिखाई दिया। बच्चे ने विगत दिवस को अपने परिजनों के साथ बरमान से नर्मदा जल भरा और अपनी कांवड़ लेकर गाडरवारा स्थित शिवधाम डमरूघाटी की ओर चल पड़ा। उसने बरमान से गाडरवारा तक लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पैदल तय की। बरमान पंचायत से गाडरवारा शिव धाम डमरूघाटी जाने वाली सड़क पर इस नन्हे कांवड़िए की यात्रा हमने अपने कैमरे में कैद कर ली यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया। मोक्ष पिता राघवेंद्र भावना उदेनिया निवासी गंगाई चीचली के इस नन्हे मुन्ने की शिव आस्था पर लोगों ने कहा कि भारत जल्द विश्व गुरु बनेगा और आस्था का केंद्र नन्हे मुन्ने बच्चों में अगर इस प्रकार की आस्था देखी जाएगी तो इस देश के लिए भी एक आस्था का संदेश दिया जाएगा।

एक नजर में

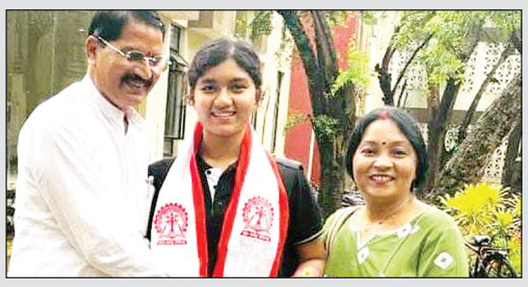

महक नागेश गोटेगांव क्षेत्र को किया गौरवान्वित

गोटेगाँव। विगत दिवस विधायक महेन्द्र नागेश एवं शिक्षिका श्रीमती विनीता नागेश की सुपुत्री महक नागेश ने प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर, कोलकाता में चयनित होकर गोटेगाँव क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। महक ने दो वर्ष पूर्व कोटा राजस्थान में रहकर कोचिंग की थी और अपने अथक परिश्रम, समर्पण एवं परिवार के मार्गदर्शन से यह सफलता अर्जित की। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि सम्पूर्ण क्षेत्र में हर्ष और गर्व की लहर है। यह सफलता गोटेगाँव की होनहार बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। क्षेत्रवासियों ने महक नागेश को शुभकामनाएँ एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ प्रेषित की हैं।

कुशाग्र गुप्ता ने किया नाम रोशन

गाडरवारा। स्थानीय सुदर्शन गुप्ता एवं शिक्षक श्रीमति शिल्पी गुप्ता के सुपुत्र कुशाग्र गुप्ता जेईई मेंस में 99.95 परसेंटाइल प्राप्त किए थे। उसके पश्चात जेईई के एडवांस टेस्ट की परीक्षा 2 जून 2025 में हुई थी जिसमें आल इंडिया रेंक 1300 प्राप्त होने पर एवं काउंसिलिंग पश्चात कुशाग्र गुप्ता ने आईआईटी खड़कपुर में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन ब्रांच में एडमिशन लेकर क्षेत्र का नाम रोशन किया हैं। उनकी सफलता पर उनके शुभ चिंतको ने प्रसन्नता जताई हैं।

बरगी बांध के सात गेट खुलने से बढ़ा नर्मदा का जल स्तर

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में रुक रुककर हो रही लगातार बारिश से जहां आम जनजीवन प्रभावित बना हुआ है। वहीं क्षेत्रीय नदियों के साथ नर्मदा नदी पर भी बाढ़ जैसे हालात बनें हुए हैं।हो रही लगातार बारिश से बरगी बांध के सात गेट खुलने से नर्मदा नदी का जल स्तर काफी बढ़ गया है। नर्मदा नदी के किनारे आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी आगाह कर दिया गया है।

क्षेत्र में चल रहे धार्मिक आध्यात्मिक आयोजन

तेंदूखेड़ा। पवित्र श्रावण मास के दौरान जगह-जगह विभिन्न धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। भगवान भोलेनाथ की पूजन अर्चन आराधना में संपूर्ण क्षेत्र संलग्न बना हुआ है। तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में माह भर अखंड रामायण पाठ चल रहे हैं। तथा प्रतिदिन संगीतमय सुंदरकांड पाठों का आयोजन किया जा रहा है।

नारी सुरक्षा एवं सतर्कता के उपाय

नरसिंहपुर। की स्वयंसेवी महिलाओं द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नरसिंहपुर में प्रेरणादायी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आत्मरक्षा, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य आशा नेमा जी के स्वागत भाषण एवं प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ।

गंभीर समस्या का समाधान स्वच्छता का बना उदाहरण

करेली। नगर की वर्षों पुरानी गंदगी से जुड़ी समस्या के निराकरण पर खरया चेरिटेबल सोसायटी ने नगर पालिका परिषद करेली का आत्मीय साधुवाद करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला ममार को धन्यवाद पत्र सौंपा। विदित हो कि विद्यालय के पीछे की गली में लम्बे समय से कचरे एवं गंदगी का अंबार जमा हो रहा था जिससे यह क्षेत्र मवेशियों का आश्रय स्थल बन गया,इस मार्ग से छात्र-छात्राओं और आमजन का गुजरना अत्यंत कष्टप्रद था।नगर पालिका परिषद करेली ने समस्या को गंभीरता से लेकर नियमित सफाई व्यवस्था लागू सतत निगरानी में शुरू की। अभियान में स्कूल प्रशासन और छात्र-छात्राओं ने पूरा सहयोग देने का वचन दिया साथ ही नगर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता संदेश फैलाने का संकल्प लिया। नगर के हित में किए गए इस कार्य को सराहनीय और प्रेरणादायक बताया।

बीएसएल पब्लिक स्कूल में प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित

करेली। ग्रेस लैंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित बी.एस.एल. पब्लिक स्कूल में प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि अमेरिका से पधारे मिसाइल टेक्नोलॉजी इंजीनियर आनंद कौशल अविनाश बेलाकर एवं डालचंद सनेदिया की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से किया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा प्रतिदिन 24 बार गायत्री मंत्र जप करने का संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथियों ने गायत्री मंत्र के वैज्ञानिक मानसिक और आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए इसे दिनचर्या में शामिल करने का आग्रह किया। वृक्षारोपण अभियान जिसके तहत विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण कर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।अतिथियों ने कहा कि पेड़-पौधों की देखभाल भी बच्चों की तरह करनी चाहिए, ताकि वे पूर्ण रूप से विकसित हो सकें और पर्यावरण को संजीवनी दे सकें। छात्रों को व्यक्तित्व विकास,सांस्कृतिक मूल्यों की समझ, और परीक्षा की मूल भावना

दुश्मन खतरनाक नहीं,दुश्मनी खतरनाक होती है:जैन मुनि

गोटेगांव। शरीर का प्रादुर्भाव होता है आत्मा का प्रादुर्भाव कभी नहीं होता। जब तक जीव के कर्म रहते हैं तब तक जन्म मरण होकर शरीर मिलता रहता है और जब जीव के कर्म समाप्त हो जाते हैं तब शरीर का मिलना बंद हो जाता है।लेकिन अरिहंत भगवान को शरीर नहीं मिलता क्योंकि उनका ना तो मरण होगा और ना ही जन्म होगा।

यह ज्ञानवर्धक धर्म प्रवचन गोटेगांव नगर में विराजमान मुनि श्री 108 प्रबुद्ध सागर जी महाराज ने अपने प्रवचनों में कहीं। नगर में 1008 श्री शांतिनाथ जिनालय के आचार्य विद्यासागर सभागार में चातुर्मास के लिए संसघ विराजमान मुनि श्री ने कहा कि संसारी प्राणी की मरने के समय चेतन चली जाती है। लेकिन अरिहंत परमेष्ठि की चेतना अंतिम समय भी जागृत रहती है। क्योंकि उनकी चेतना ज्ञानवान रहती है। जैसे ही भगवान का आयु कर्म खत्म होता है तो उनके केवल नाखून और केश बाल रहते हैं। उनका बाकी पूरा शरीर उड़ जाता है। नाखून और केश का अंतिम अग्नि संस्कार अग्नि कुमार देव करते हैं। जन्म मरण के इस चक्र को खत्म करके अरिहंत भगवान सिद्ध बन जाते हैं। मुनि श्री ने कहा कि जब तक व्यक्ति धर्म के मर्म को आत्मसात नहीं करता है। वह चाहे गुरु हो या शास्त्र हों या फिर भगवान तब तक वह धर्म नहीं समझ सकता। सभी को स्वाध्याय जागृति के साथ करना चाहिए तभी वह धर्म के मर्म को आत्मसात कर पाएंगे। इस बात का सदैव ध्यान रखना कि जैन दर्शन कभी भी किसी पर भी विश्वास या देवत्व मानने के लिए सावधान करता है। किसी भी रागी द्वेषी पर श्रद्धान नहीं करना चाहिए। पूर्ण भगवान केवल एक है, जो रागी द्वेषी नहीं है और वह है केवल जिनेंद्र भगवान। अधूरे भगवान कई हो सकते हैं लेकिन मोक्ष मार्ग का देवता केवल अरिहंत हैं। जो रागी, द्वेषी, मोही नहीं है वही सिद्धत्व को प्राप्त करता है। श्रद्धा आत्मा की परिणति है और श्रद्धा रखते समय 18 दोषों पर ध्यान जरूर रखना चाहिए। जब तक वीतरागिता है तो हमें उसे भगवान मानते हैं। इस बात का ध्यान रखना कि किसी भी मूर्ति या पत्थर को भगवान नहीं मानना चाहिए। क्योंकि जैन दर्शन किसी से भी मोह नहीं करता। यदि भगवान की प्रतिमा खंडित हो गई है तो उसे विसर्जित कर देना चाहिए। अर्थात जिसमें वीतरागिता नहीं है उस देवता को ,उस प्रतिमा को कभी भी भगवान मानकर नमन नहीं करना चाहिए। मुनि श्री प्रबुद्ध सागर जी महाराज ने श्रावकों की धर्म पिपाशा को शांत करते हुए कहा कि संकल्पित श्रावक कभी भी अपना संकल्प खंडित नहीं होने देता।

आदिवासी क्षेत्रों में आवागमन सुविधाओं की जरूरत

तेंदूखेड़ा। आवागमन विकास में सहायक होता है। जहां जितना सुगम आवागमन होता है वह क्षेत्र उतना ही विकास करता है। लेकिन इसी आवागमन की समस्या को लेकर आदिवासी बाहुल्य ग्राम विकास की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पा रहा है। यहां के लोग पहले कच्चे कीचड़ युक्त दुर्गम मार्ग से पैदल आना जाना किया करते थे।

आवागमन और चिकित्सा के क्षेत्र में वंचित है क्षेत्र

समय की रफ्तारन के हिसाब से फिर पक्का सड़क मार्ग बन तो गया लेकिन आवागमन यात्री वाहनों की इस मार्ग पर आज भी चलन नहीं है। जिस कारण से यहां के लोग या तो स्वयं के बाहनों से आवागमन किया करते हैं।या फिर मजबूरीबश माल बाहक वाहनों में भेड़ बकरी की तरह क्षमता से अधिक जान जोखिम में डालकर आना जाना किया करते हैं। इतना ही स्कूली छात्र छात्राओं को हायर सेकंडरी और उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए या तो पैदल आना जाना किया करते हैं या फिर मोटरसाइकिलों से लिफ्ट लेकर आते जाते हैं। तीन जिलों सागर रायसेन और नरसिंहपुर जिले की सीमा से लगे ग्राम मर्रावन इमलिया खकरैडी ब्रह्मनी मौआखेडा और स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महती भूमिका निभाने वाले ग्राम ढिलवार आने जाने के लिए कोई भी यात्री बस सेवा उपलब्ध नहीं है। आजादी के बाद पांच दशकों तक यह क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से दूर ही रहा। पूर्व में यहां पर एक आयुर्वेदिक औषधालय तो खोला गया था लेकिन किन्हीं कारणों बस आज तक बंद पड़ा हुआ है। यहां के लोगों को आज भी मरीजों को लेकर तेंदूखेड़ा इलाज कराने आने पड़ता है।या फिर नीम हकीम अपनी दुकान चलाते हैं। मरीजो को मोटरसाइकिल से या फिर तेंदूखेड़ा से बाहन बुलाकर इलाज कराने के लिए ले जाना पड़ता है। यहां पर यात्री वाहनों की दरकार है। मप्र सरकार द्वारा फिर से सड़क परिवहन सेवा शुरू करने जा रही है। इस आदिवासी बाहुल्य ग्रामों को जोड़ने के लिए प्राथमिक मिले।

बिल्थारी ग्राम भी आवागमन सुविधा से दूर

शासन ने पिछले दस सालों में पहुंच विहीन गांवों को मुख्य सड़क मार्गों से जोड़ा है चाहे प्रधानमंत्री सड़क मार्ग हो या फिर अन्य मदों से सड़कों का निर्माण लेकिन आवागमन की व्यवस्था अभी तक मुहैया ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। पुण्य सलिला मां नर्मदा के किनारे बसे ग्राम बिल्थारी आवागमन की दृष्टि से बाहनों की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यहां पर भामा तरफ से होकर या फिर डोभी तरफ से जाने के लिए पक्के सड़क मार्ग तो बन गये हैं लेकिन यात्री वाहनों की बेहद कमी है। ग्राम पंचायत मर्रावन की आदिवासी महिला सरपंच संजो बाई का कहना है कि हमारा क्षेत्र आवागमन की दृष्टि से काफी उपेक्षित है यहां पर यात्री टाइमिंग बसों का प्रचलन शुरू होना चाहिए। यात्री वाहनों को चलने से लोगों को जहां सुविधा होगी वहीं स्कूली बच्चों को भी आवागमन में सुविधा होगी।

अच्छी आय प्राप्त होगी

ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुग्रीव ठाकुर का कहना है कि यहां पर यात्री वाहनों की व्यवस्था होने से राजस्व की अच्छी प्राप्ति होगी। माल बाहक वाहनों द्वारा मनमाफिक किराया लिया जाता है। और बाहनों में क्षमता से अधिक लोगों को भरा जाता है। चूंकि आवागमन लोगों की मजबूरी है इसलिए आना जाना करना पड़ता है। आदिवासी क्षेत्र ही बंचित क्यों मर्रावन ग्राम पंचायत के उपसरपंच नन्हेलाल अरमू का कहना है कि हमारा आदिवासी क्षेत्र ही आवागमन की सुविधा से वंचित है। इमलिया से बड़ी संख्या मजदूर माल बाहक वाहनों में भरकर सुबह जाते और वापस लौट कर आते भी हैं। यहां पर यात्री वाहनों की व्यवस्था होनी चाहिए।

निरंजन एवं हनुमान वार्ड में लाखों के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन

करेली। नगर पालिका परिषद करेली द्वारा नगर के समग्र विकास एवं आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में निरंतर प्रगति की जा रही है निरंजन वार्ड एवं हनुमान वार्ड में लाखों रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण,नाली मरम्मत,प्रीकास्ट एवं पेवर ब्लॉक लगाने के कार्यों का भूमि पूजन किया गया। पप्पू मिश्रा के मकान से विजय जैन के मकान तक,सोनी लाल पटेल से संजू मिश्रा के मकान तक,पाराशर से बंटी जैन के मकान तक निर्माण कार्यों की कुल लागत लगभग 9 लाख रुपये है।हनुमान वार्ड में पेवर ब्लॉक व नाली मरम्मत कार्य हनुमान वार्ड में भी शहरी सौंदर्यीकरण और सुविधाओं के विस्तार हेतु महत्वपूर्ण कार्यों की शुरुआत में छोटू शर्मा के मकान से अभिषेक वैस के मकान तक पेवर ब्लॉक कार्य,कत्था वाई के मकान से वीर के मकान तक नाली मरम्मत कार्य,अरविंद खान से बल्लू भाई जान के मकान तक प्रीकास्ट स्लैब रखने के कार्यों की अनुमानित लागत 12 लाख 19 हजार रुपये आंकी गई है।